



राज्य शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद, महाराष्ट्र, पुणे-३०
निपुण भारत-अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण २०२२-२३
सर्वसाधारण शिक्षक मार्गदर्शक सूचना

राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरण सन २०२० नुसार प्राथमिक स्तरावर सन २०२६-२७ पर्यंत पायाभूत भाषिक व गणितीय कौशल्य प्राप्त करण्यास सर्वोच्च प्राधान्य देण्यात आलेले आहे. त्यासाठी भारत सरकारने निपुण भारत अभियानाची अंमलबजावणी सुरु केली आहे. या अभियानांतर्गत प्रत्येक विद्यार्थ्यांने इयत्ता तिसरीपर्यंत पायाभूत साक्षरता व संख्याज्ञान विषयक क्षमता सन २०२६-२७ पर्यंत प्राप्त करण्याचे लक्ष्य निर्धारित केले आहे. सदर लक्ष्य गाठण्यासाठी इयत्ता व अध्ययन निष्पत्तीनिहाय बेंचमार्क निर्धारित करण्यात आलेले आहेत. यासंदर्भात महाराष्ट्र शासनाने दि. २७ ऑक्टोबर २०२१ रोजी शासन निर्णय निर्गमित केला आहे. या शासन निर्णयानुसार महाराष्ट्रात निपुण भारत अभियानाची अंमलबजावणी करण्यात येत आहे.

निपुण भारत अभियानाच्या लक्ष्यपूर्तीसाठी विद्यार्थ्यांच्या संपादनपुस्तकांच्या सध्यःस्थितीची वेळोवेळी पडताळणी होणे आवश्यक आहे, या करिता राज्यस्तरावरून केंद्र शासनाच्या मार्गदर्शक सूचनेनुसार इयत्ता दुसरी ते पाचवीसाठी निपुण भारत- अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण करण्यात येत आहे.

अ) निपुण भारत- अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण उद्दिष्टः-

प्रत्येक विद्यार्थ्यांने इयत्तानिहाय व विषयनिहाय अध्ययन निष्पत्ती किती प्रमाणात प्राप्त/संपादित केलेल्या आहेत हे पडताळणे व त्यानुसार शिक्षकांनी उपचारात्मक अध्यापन करणे.

ब) निपुण भारत- अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण कार्यवाही :-

- १) इयत्ता दुसरी ते पाचवीच्या विद्यार्थ्यांचे सर्वेक्षण करण्यासाठी विषयनिहाय व माध्यमनिहाय राज्य शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद, महाराष्ट्र, पुणे यांचे <https://www.maa.ac.in> संकेतस्थळावर निपुण भारत- अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण साधन ऑनलाईन pdf स्वरूपात शिक्षकांसाठी उपलब्ध असणार आहेत.
- २) सदर सर्वेक्षण हे सर्व व्यवस्थापनाच्या व सर्व माध्यमांच्या शाळांमधील शिक्षकांनी करावयाचे आहे.
- ३) विद्यार्थी शिकत असलेल्या पूर्वीच्या/पाठीमागील इयत्तेच्या अध्ययन निष्पत्तीवर आधारित निपुण भारत: अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण साधन तयार करण्यात आलेले आहे.
- ४) इयत्ता दुसरी ते पाचवीला प्रथम भाषा, गणित, परिसर अभ्यास, तृतीय भाषा या विषयांच्या शिक्षकांनी आपण अध्यापन करित असलेल्या विषयाच्या सर्वेक्षण साधनाची एकच प्रिंट अथवा

फोटो कॉपी करण्यात यावी. प्रती विद्यार्थी सर्वेक्षण साधन प्रिंट अथवा फोटो कॉपी करण्याची गरज नाही.

- ५) सदर सर्वेक्षण प्रत्येक विद्यार्थीनिहाय मौखिक स्वरूपात घ्यावयाचे आहे. मात्र काही प्रश्नांच्या/कृतींच्या बाबतीत लेखी प्रतिसाद घ्यावयाचा असल्यास तो विद्यार्थ्यांच्या वहीमध्ये किंवा आखीव ताव/पेपरवर घ्यावा.
- ६) निपुण भारत अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण करताना वर्गात तणावमुक्त वातावरणात राहिल, याची काळजी घ्यावी.
- ७) सर्वेक्षणास सुरवात करण्यापूर्वी इयत्ता व विषयनिहाय आवश्यक असलेले साहित्य शिक्षकांनी उपलब्ध करून ठेवावे.
- ८) दिव्यांग विद्यार्थ्यांच्या बाबतीत सदर चाचणी घेण्याबाबतचा निर्णय संबंधित विद्यार्थ्यांचा दिव्यांग प्रकार लक्षात घेऊन शाळा मुख्याध्यापक व शिक्षक यांनी घ्यावा. आवश्यकतेनुसार विशेष तज्ज्ञ किंवा विशेष शिक्षक यांची मदत घ्यावी.
- ९) सर्वेक्षण साधनातील प्रश्न विद्यार्थ्यांला क्रमवार विचारावे अथवा सोडवण्यास सांगावे. सर्वेक्षण साधनातील दिलेले प्रश्न/कृती चित्रे, उदाहरणे, परिच्छेद इत्यादी आवश्यकतेनुसार विद्यार्थ्यांना दाखवावेत किंवा फलकावर लिहावेत.
- १०) विद्यार्थ्यांला प्रश्न/कृती सोडवण्यासाठी अथवा उत्तराचा प्रतिसाद देण्यासाठी पुरेसा वेळ द्या. विद्यार्थी काहीच प्रतिसाद देत नसेल तर पुढील प्रश्नाकडे/कृतीकडे जावे.
- ११) निपुण भारत: अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण साधनामध्ये अध्ययन निष्पत्तीवर आधारित विचारलेल्या प्रश्नांचे मूल्यांकन करण्यासाठी “मूल्यांकन रुब्रिक” देण्यात आलेले आहे.
- १२) प्रत्येक विद्यार्थ्यांला विषयनिहाय अध्ययन निष्पत्तीवरील प्रत्येक प्रश्नाच्या/कृतीच्या प्रतिसादाची नोंद निपुण भारत: अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण श्रेणी नोंद पत्रकामध्ये शिक्षकांनी करावी. ही नोंद अध्ययन निष्पत्तीनिहाय प्रश्न विचारून आलेल्या प्रतिसादानुसार “मूल्यांकन रुब्रिक” मधील निकषानुसार त्या त्या वेळी करावी. सोबत निपुण भारत: अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण श्रेणी नोंद पत्रक जोडण्यात आलेले आहे. शिक्षकांनी प्रत्येक विषयासाठी आवश्यकतेनुसार प्रिंट अथवा फोटो कॉपी काढाव्यात अथवा असा नमुना आपण स्वतः तयार करावा.
- १३) “मूल्यांकन रुब्रिक” मध्ये प्रामुख्याने चार मूल्यांकन निकष देण्यात आलेले आहेत. सर्वेक्षण साधन मधील अध्ययन निष्पत्तीवर आधारित विचारलेल्या प्रश्नांच्या प्रतिसादावरून विद्यार्थ्यांच्या संपादणूकीचे वर्गीकरण “मूल्यांकन रुब्रिक” नुसार श्रेणी -३, श्रेणी - २, श्रेणी - १, श्रेणी - ० यापैकी एका श्रेणीमध्ये होईल.

१४) प्रत्येक प्रश्नावरील विद्यार्थी प्रतिसादानंतर शिक्षकांनी मूल्यांकन रुब्रिक निकषानुसार श्रेणी निश्चित केल्यानंतर निपुण भारत: अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण श्रेणी नोंद पत्रकामध्ये शिक्षकांनी योग्य त्या ठिकाणी ✓ अशी टिक/खूण करावी

१५. उदा. निपुण भारत: अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण श्रेणी नोंद नमुना प्रपत्र

| अ. विद्यार्थ्यांचे | | अध्ययन निष्पत्तीनिहाय मूल्यांकन रुब्रिक श्रेणी | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--------------------|-------|--|---|---|---|-----------|---|---|---|-----------|---|---|---|-----------|---|---|---|-----------|---|---|---|-----------|---|---|---|-----------|---|---|---|-----------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--|--|
| क्र. | नाव | LOs No. १ | | | | LOs No. २ | | | | LOs No. ३ | | | | LOs No. ४ | | | | LOs No. ५ | | | | LOs No. ६ | | | | LOs No. ७ | | | | LOs No. ८ | | | | | | | | | | | |
| | | ० | १ | २ | ३ | ० | १ | २ | ३ | ० | १ | २ | ३ | ० | १ | २ | ३ | ० | १ | २ | ३ | ० | १ | २ | ३ | ० | १ | २ | ३ | ० | १ | २ | ३ | ० | १ | २ | ३ | | | | |
| १ | अवक | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | |
| २ | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | |
| ३ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | | |
| ४ | | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | ✓ | | | | |
| ५ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ६ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ७ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ८ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ९ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १० | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| एकूण | | १ | ३ | २ | ४ | २ | ३ | ४ | १ | १ | २ | ६ | १ | १ | ४ | ३ | २ | २ | ३ | ४ | १ | १ | ४ | ३ | २ | १ | ३ | २ | ४ | १ | २ | ६ | १ | | | | | | | | |

१६. निपुण भारत: अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण साधनानुसार सर्व विद्यार्थ्यांच्या श्रेणी नोंद पत्रकामध्ये करून झाल्यानंतर खालीलप्रमाणे विद्यार्थी संपादनूक स्तर निश्चित होईल.

| अ क्र. | विद्यार्थी संपादनूक स्तर (Levels) | श्रेणी |
|--------|---|--------|
| १. | प्रगत (Advanced)- (More than expected) | ३ |
| २. | प्रवीण (Proficient)- (Age appropriate) | २ |
| ३. | प्रगतशील (Basic / Progressive)- (Able to do with support) | १ |
| ४. | प्रारंभिक (Below Basic / Beginners)- (Need lots of support) | ० |

१७. शिक्षकांनी सर्वेक्षण साधनानुसार विद्यार्थी प्रतिसाद घेऊन निपुण भारत : अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण श्रेणी नोंद प्रपत्रकाच्या आधारे शिक्षकांना खालील बाबी समजण्यास मदत होतील.

- १) प्रत्येक विद्यार्थ्यांने इयत्तानिहाय व विषयनिहाय अध्ययन निष्पत्ती किती प्रमाणात प्राप्त/ संपादित केलेल्या आहेत, हे समजण्यास मदत होईल.
- २) शिक्षकांना आपल्या विषयाचा/वर्गाचा सरासरी संपादनूक स्तर समजण्यास मदत होईल.
- ३) प्रत्येक विद्यार्थी कोणत्या अध्ययन निष्पत्तीमध्ये खालीलपैकी संपादनूकीच्या कोणत्या स्तरावर हे लक्षात येईल.

- ❖ प्रगत (Advanced)- (More than expected)
- ❖ प्रवीण (Proficient)- (Age appropriate)
- ❖ प्रगतशील (Basic / Progressive)- (Able to do with support)
- ❖ प्रारंभिक (Below Basic / Beginners)- (Need lots of support)

३) सर्व विद्यार्थी प्रगत स्तरावर जाण्यासाठी उपचारात्मक अध्यापन नेमक्या कोणत्या विद्यार्थ्यांसाठी व अध्ययन निष्पत्तीसाठी प्राप्त करण्यासाठी करावे लागणार आहे, हे शिक्षकांना समजणार आहे.

क) निपुण भारत: अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण झाल्यानंतर शिक्षकांनी करावयाची कार्यवाही:-

निपुण भारत: अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण श्रेणी नोंद प्रपत्रकाच्या आधारे शिक्षकांनी खालील कार्यवाही करावी.

- १) अध्ययन निष्पत्तीनिहाय वर्गातील जास्तीत जास्त विद्यार्थी हे कोणत्या स्तरात आहेत हे समजल्यानंतर त्याच्या आधारे वर्ग शिक्षकांनी / विषय शिक्षकांनी उपचारात्मक अध्ययन अध्यापन करण्याची योजना आपल्या स्तरावर करणे अपेक्षित आहे.
- २) शिक्षकांनी प्रत्येक अध्ययन निष्पत्तीमध्ये सर्व विद्यार्थी प्रगत स्तरावर जाण्यासाठी कृती योजना/आराखडा तयार करावा.
- ३) निपुण भारत अभियान चे उद्दिष्ट साध्य करण्यासाठी शिक्षकांनी अशाप्रकारे अध्ययन निष्पत्तीनिहाय प्रश्नपत्रिका/चाचण्यांचे विकसन आपल्या स्तरावर करून विद्यार्थी अपेक्षित क्षमता स्तर प्राप्त करतात की नाही याची आपल्या स्तरावर पडताळणी करणे देखील अपेक्षित आहे.
- ४) निपुण भारत: अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण श्रेणी नोंद प्रपत्रामध्ये विद्यार्थीनिहाय एकत्रित माहिती शाळा मुख्याध्यापक किंवा शिक्षकांनी इयत्तानिहाय व विषयनिहाय संकलित स्वरूपात शाळास्तरावर ठेवावी. ही माहिती सरळ पोर्टलवर भरणेबाबत यथावकाश सूचना देण्यात येतील.
- ५) निपुण भारत: अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण श्रेणी नोंद प्रपत्र याची प्रती विद्यार्थीनिहाय माहिती शिक्षकांच्या दफ्तरी असणे आवश्यक आहे. पर्यवेक्षीय अधिकारी ज्या वेळी शाळाभेटीला येतील त्यावेळी विद्यार्थी अध्ययन श्रेणी व कृति-योजना/आराखडा याबाबत चर्चा करण्यात यावी.

निपुण भारत: अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण नोंद प्रपत्र याचा विहित नमुना सोबत देण्यात येत आहे, तसेच सदर प्रपत्राची Excel फाईल सुद्धा परिषदेच्या संकेतस्थळावर उपलब्ध करून देण्यात येत आहे. तरी शिक्षकांनी सदर सर्वेक्षणाची प्रभावी अंमलबजावणी करावी.

सोबत: निपुण भारत: अध्ययन अभ्यास सर्वेक्षण श्रेणी नोंद प्रपत्र-विहित नमुना

